M. A. (Final) Examination, 2001

HINDI

Paper VIII (Group-B)

निबंध एवं अंय विद्याएं

Time: 3 Hours] [Maximum Marks: 100

प्रश्न संख्या **एक** अनिवार्य है।
कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्न वतरणों में से किन्ही **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

क- कविता ही हृदय की प्रकृत दशा में लाती है और जगत के बीच कमशः उसका अधिकाधिक प्रसार करती हुई उसे मनुष्यत्व की उच्च भूमि प ले जाती है। भावयोग की सब से उच्च कक्षा पर पहूंचे हुए मनुष्य का जगत् के साथ पूर्ण तादात्म्य हो जाता है, उसकी अलग भवसत्ता नही रह जाती, उसका हृदय विश्व-हृदय हो जाता है, उसकी अश्रुधारा में जगत् की अश्रुधारा का, उसके हास-विलास में जगत् के आनंद नृत्य का, उसके गर्जन-तर्जन में जगत् के गर्जन-तर्जन का आभास मिलता है। 10

अथवा

मनुष्य शेष प्रकृति के साथ अपने रागात्मक संबंध का विच्छेद करने से अपने आनंद की व्यापकता को नष्ट करता है। बुद्धि की व्याप्ति के लिए मनुष्य को जिस प्रकार विस्तृत और अनेक रूपात्मक क्षेत्र मिला है उसी प्रकार 'भावों' (मन के वेगों) की व्याप्ति के लिए भी । अब यदि आलस्य या प्रमाद के करण मनुष्य इस द्वितीय क्षेत्र को संकुचित कर लेगा तो उसका आनंद पशुओं के आनंद से विशाल किसी प्रकार नही कहा जा सकेगा। अतः यह सिद्ध हुआकि वन, पर्वत, नदी, निर्झर, पशु, पक्षी, खेत, बारी इत्यादि के प्रगति हमारा स्वाभाविक है, या कम से कम वासना के रूप में अंतःकरण में निहित है।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

ख- सयानों के मुखिया ने कहा, ''बेटा' तुम्हारी योग्यता से हम सब प्रभावित हुए। तुम डिप्टी कलक्टरी के लिए चुन लिए गए। नियुक्ति के आदेश का इंतजार करों। चुनाव के बाद नियुक्ति में तीन महीने भी लग सकते है, तीन साल भी और दस साल भी किसी-किसी को तो रिटायर होने की उम्र में नियुक्ति पत्र मिलता है। पर तुम कुँअर साहब के आदमी हो, इसलिए तुम्हारी नियुक्ति जल्दी हो जाएगी। जाओं तुम्हारा भविष्य उज्जवल है।'' 10

अथवा

उस दिन भविष्य-फल पढ़ते ही मै तंगी पैदा करने निकल पडा। पास में कुछ रूपए थे। ये अगर बने रहे, तो ग्रह कहीं से पैसा नही दिलवायेंगें। मैने तय किया, एक पंखा खरीदकर तंगी पैदा कर ली जाये। मैने अखबार के पंखों के विज्ञापन देखे। हर कंपनी के पंखे के सामने एक स्त्री है। एक पंखे से उसकी साड़ी उड़ रही है और दूसरे पंखे से उसके केश। एक विज्ञापन में तो सुंदरी पंखे के फलक पर ही बैठी हुई है। मुझे डर लगा कहीं किसी ने स्विच दबा दिया तो? ऐसी बदमाशियाँ आजकल होती रहती है। मै सुंदरी के लिए बहुत चिंतित हुआ।

ग- यदि इस शब्द का यही अर्थ है कि 'आमदनी पर महसूल' तो न जाने हमारी सरकार ने हम लोगों की किस आय की वृद्धि देखी है जो यह दु:खद कर बांधा है। पुराने लोगों से सुनते है कि 'उत्तम खेती मध्यम बान', अधम चाकरी भीख निदान', पर इस काल में यह कहावत पूर्ण रूप से उलट गयी है। खेती की दशा पर हमें कुछ लिखने की आवश्यकता नही है। जो चाहे दिहात में जा के देख ले, बिचारे कृषिकारों के बारहों मास दिन रात के कठिन परिश्रम करने और 'नींद नारि भोजन परिहरई' का ठीक नमूना बनने पर भी पेट भरना कठिन हो रहा है। 10

अथवा

जहां यश प्राप्ति और धन-लाभ के साथ आलस्य का संघर्ष न हो वहां आलस्य शीर्षस्थान पाता है साधारणतया मै बाबा मलूकदास के 'अजगर करै न

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

चाकरी पंछी करै न काम, दास मलूका कह गये सबके दाता राम' वाले अमर काव्य को आपना आदर्श वाक्य बनाना चाहात हूं और इस प्रवृति के कारण संतोषी होने का श्रेय भी पा जाता हूं किंतु इस युग में बिना हाथ पैर पीटे काम नही चलता , 'नहिं सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशंति मुखे मृगा:।'

घ- उन्ही दिनों की याद मै कोई चालीस बरहस 1941 ई. के अंत में एक चाय पानी में जब एक मित्र ने जवाहर भाई से मेरा परिचय कराना चाहा-''आप कृष्णदास को जानते है'' तो उन्होने उत्तर दिया ''प्राय: शैशवसे''। इस बात पर स्वभावत: उनकी असाधारण स्मृतिशक्ति की ओर ध्यान चला जाता है। सभी महान् व्यक्तियों की भांती उनके मस्तिष्क में पहुंच कर कोई भी विषय लुप्त नही हो सकता था। 10

अथवा

हिमराशी और हिमपात बड़े सौन्दर्य की वस्तु है, पर इनके दर्शन करने का आनन्द सभी नही ले सकते । हरद्वार, ऋषिकेश और देहरादून से मसूरी जैसी हिमपात की भूमि दूर नही है, पर हमारे लोगों को प्राय: उसके सौन्दर्य को नेत्रों द्वारा पान करने की लालसा नही होती । आज यातायात सुलभ है। रेडियोवाले शाम को ही लोगों को सूचित कर दे कि मसूरी में बर्फ फुट-दो फुट पड़ी हुई है, कल बड़ा सुंदर समा होगा, तो कितने ही लोग यहाँ आ सकते है।

ड.- शास्त्र का प्रश्न भी भक्तिन आपनी सुविधा के अनुसार सुलझा लेती है। मझे स्त्रियों का सिर घुटाना अच्छा नही लगता, अत: मैने भक्तिन को रोका। असने अकुंठित भाव से उत्तर दिया कि शास्त्र में लिखा है। कुतूहलवश मै पूछ ही बैठी- 'क्या लिखा है'? तुरंत उत्तर मिला -'तीरथ गये मुंडाये सिद्ध।' कौन से शास्त्र का यह रहस्यमय सूत्र है, यह जान लेना मेरे लिए संभव नही था। अत: मै हारकर मौन हो रही और भक्तिन का चूडाकर्म हर ब्रहस्पतिवार को, एक दरिद्र नापित के गंगाजल से धुले अस्तुरे द्वारा यथाविधि निष्पन्न होता रहा। 10

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

अथवा

और तब अपने स्नेह में प्रगल्भ उस बालक के सिर पर हाथ रखकर मै भावातिरेक से ही निश्चल हो रही। उस तट पर किसी गुरू को किसी शिष्य से कभी ऐसी दक्षिणा मिली होगी, ऐसा मुझे विश्वास नही, परंतु उस दक्षिणा के सामने संसार में अब तक सारे आदान-पदान फीके जान पड़े।

2. निबंध 'कविता क्या है?' में व्यक्त शुक्ल जी के कविता संबंधी विचारों का सारांश लिखिए। 15

अथवा

'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' शीर्षक निबंध की समालोचना कीजिए।

3. 'प्रभुजी! मेरो औगुन चित्त न धरो' एक व्यक्तिव्यंजक निबंध है। समझाइये। 15

अथवा

'पत्थर और बहता पानी' में व्यक्त निर्मल वर्मा के संसकृति ंबंधी विचारों पर प्रकाश डालिये।

4. महादेवी की संस्मरणात्मक रचना 'घीसा' के आधार पर घीसा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

'चीनी फेरीवाला' से साक्ष्य देते हुए महादेवी के संस्मरणात्मक रेखाचित्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

5. व्यंग्य का मूल स्वर प्रतिष्ठान-विरोधी होता है। 'काग भगोड़ा' में संकलित हरिशंकर परसाई की वयंग्य रचनाओं के साक्ष्य से समझाइये। 15

अथवा

'इंटरव्यू मुफतलाल का होमा डिप्टी कलेक्टर' शीर्षक व्यंग्य रचना के निहितार्थ को समझाइये।

6. राहूल सांस्कृत्यापन के यात्रावृतान्त 'हिमपात' की समालोचना कीजिए। 15

अथवा

'विलायती रामलीला' में विक्टोरियाकालीन इंग्लैण्ड की झांकी है। विस्तार से समझाइये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com